हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 अप्रैल 2024

12 सूबेदार ईश्वर गोशाला के प्रधान व रामकवार बने महासचिव

11 स्टेट हाईवे की समस्याओं को लेकर डीसी से मिलेंगे: फौजी

खबर संक्षेप

करंट की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी की मौत

कनीना। उपमंडल के गांव गुढ़ा में रविवार को हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। इस बारे में ग्रामीण धर्मपाल दीक्षित, रमेश शर्मा ने बताया कि गांव के अंदर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से मोर की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आने से सतनारायण मंदिर के पास पहले भी अनेक मोरों की मौत हो चुकी है।

युवक से पुलिस ने किया अवैध हथियार बरामद

कनीना। सदर थाना पुलिस ने छापेमारी कर खैराना गांव के एक युवक से अवैध हथियार बरामद करने में सफलता हासिल की है। इस बारे में थाना प्रबंधक निरीक्षक रामनाथ ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि एक युवक बेवल खैराना-बेवल रोड पर अवैध हथियार लिए खड़ा है। पुलिस टीम ने बिना देर किए छापेमारी की और युवक को काबू कर तलासी ली तो उसकी पेंट की जेब से देसी कट्टा बरामद हुआ। आरोपित युवक की पहचान मोहित उर्फ प्रधान वासी खैराना के रूप में हुई है।

कनीना में घर से बाहर खड़ी ट्रॉली चोरी

कनीना। कनीना में एक किसान के घर से बाहर खड़ी ट्रैक्टर की ट्रॉली को अज्ञात चोर ट्रैक्टर से जोड़कर चोरी कर ले गए। सुबह होने पर मालिक को चोरी होने का मालुम हुआ। इस बारे में वार्ड नंबर पांच निवासी भरत सिंह ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार सायं रोजमर्रा की भांति ट्रॉली को खड़ा करके सो गया था। सुबह उठा तो ट्रॉली गायब मिली।

कुंजपुरा की सीमा से तीन पोल का एक तार चोरी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कुंजपुरा के खेत की सीमा से तीन पोल का एक तार करीब 600 मीटर हुआ चोरी। इस चोरी की शिकायत अटेली पुलिस को दी है। पुलिस में दी शिकायत में पीड़ित किसान कुंजपुरा निवासी संदीप कुमार ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है और उसका ट्यूबवेल कुंजपुरा की सीमा में है, जो 20 दिन पहले उसके ट्यूबवेल की बिजली की तार नामालूम व्यक्ति चोरी कर ले गए। यह तीन पोल का एक तार करीब 600 मीटर चोरी कर लिया है।

आने वाले दिनों में गहरा सकता है पेयजल संकट, देर से मिला नहर का पानी

पानी की एक-एक बूंद अनमोल सोच समझकर करें इसका उपयोग

जिला महेंद्रगढ़ में करीब आठ महीने से नहीं हुई है अच्छी बरसात, अबकी बार पहाड़ों पर भी बर्फ कम जमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गर्मी के सीजन में जिला महेंद्रगढ़ के लोगों को पेयजल का उपयोग सोच-समझकर करने की आवश्यकता है, क्योंकि अबकी बार जहां 24 की बजाए 27 दिन बाद नहरी पानी मिला है, वहीं अब जो पानी मिल रहा है, वह और भी कम मिलने की संभावना है। इसका मूल कारण प्रदेश में उपलब्ध नहरी पानी में कमी होना है। हालांकि वर्तमान समय में जिला महेंद्रगढ़ में कोई फसल तो नहीं खड़ी है, जिससे नहरी पानी सारा ही जल भंडारण किया जा सकेगा, लेकिन अबकी बार पहले से कम पानी मिलने की आशंका बनी हुई है। इस कारण आमजन को पानी का उपयोग करते वक्त फूंक-फूंककर कदम रखने की आवश्यकता है।

बता दें कि जिला महेंद्रगढ़ में खुबड़ू हैड से नहरों में पानी छोड़ा जाता है। यह पानी अब छोड़ा जा चुका है, जो शनिवार प्रातः नारनौल की नहरों में पहुंच गया था। इस बार जो पानी आया है, वह 24 दिन की बजाए पूरे 27 दिन के अंतराल से आया है। 27 दिन बाद पानी आने से जिला महेंद्रगढ़ में पीने के पानी के हालात बेहद खराब हो गए थे। कई गांवों ही नहीं, शहर खासकर जिला मुख्यालय नारनौल पर ही पानी की आपूर्ति राशनिंग करके की जाने लगी थी। यह सिलसिला करीब एक पखवाड़ा पहले ही शुरू कर दिया गया था, क्योंकि यहां उपलब्ध नहरी वाटर टैंकों में पानी बेहद कम हो गया था और नहर आने में अभी काफी समय बचा हुआ था। इस कारण जनस्वास्थ्य विभाग ने पानी की आपूर्ति में कटौती करनी शुरू कर दी थी। शहर में कई गली-मोहल्लो जैसे आदर्श नगर एवं आसपास का एरिया ऐसा रहा, जहां करीब एक सप्ताह तक पानी नाममात्र को आपूर्ति किया गया। जिस कारण वहां के लोगों में जनस्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी भी देखने को मिली। कुछ ऐसे ही हालात अन्य गली-मोहल्लों के भी रहे, जिनमें पानी की समस्या उभर आई थी। हालांकि जब इससे पहले पानी आया था, वह तीन-चार बढ़ाकर दिया गया था, लेकिन उस समय रबी फसल खड़ी थी और नहरों का पानी लेने में किसानों ने कोई गुरेज नहीं किया था। सरसों एवं गेहूं की फसलें बिना बरसात के मुरझाने लगी थी और किसानों ने नहरी पानी अपनी फसलों में देने को तरजीह दी। इस कारण जल भंडारण कुछ हद तक प्रभावित हो गया था, जो कुछ दिन बाद ही राशनिंग के रूप में सामने भी आ गया था।

अब गर्मी सीजन पीक पकड़ने लगा है तथा दिन के तापमान काफी बढ़ोतरी होने से यह 40 डिग्री की तरफ बढ़ने लगा है और इस सीजन को लेकर मौसम विभाग द्वारा की जा रही भविष्यवाणियों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में इसी अप्रैल माह में इसके 45 डिग्री पार पहुंच जाने की प्रबल संभावनाएं बन रही हैं।

जल भंडार तो हैं, लेकिन पानी की दिक्कत

नारनौल समेत आसपास का समूचा क्षेत्र ही नहीं, लगभग पूरा जिला महेंद्रगढ़ नहरी पानी पर ही निर्भर करता है। यहां का भू-जल लगभग सूख चुका है और आधे से ज्यादा हिस्सा लगभग डार्क जोन में आता है। डार्क जोन होने के कारण यहां भूमिगत जल के स्त्रोत कुए एवं ट्यूबवैलों की भी कमी है। इसी को मद्देनजर रखते हुए प्रशासन एवं सरकार ने यहां खूब सारे वाटरटैंक बना रखे हैं। लहरोदा एवं नसीबपुर में जिले के सबसे ज्यादा वाटरटैंक बनाए हुए हैं, जहां से नारनौल शहर ही नहीं, अपितु नारनौल, नांगल चौधरी एवं सिहमा खंड के गांवों में भी पीने के पानी की आपूर्ति की जाती है। यदि इस बार नहरों में पानी कम आया तो यह जल भंडार भी प्यासे रह सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो पेयजल के हालात और भी ज्यादा विकराल हो सकते हैं।

24 दिनों का बना है नहरों का शेड्यूल

पहले जहां 16-16 दिनों के अंतराल में पानी आता था, वहीं अब करीब तीन सालों से जिले की नहरों में 24 दिनों के अंतराल में पानी छोड़ा जा रहा है। अबकी बार यह तीन दिन और बढ़ने से पूरे 27 दिन का अंतराल हो गया, जिस कारण राशनिंग करनी पड़ी।

मवेशियों को भी रह सकता है संकट

जिला महेंद्रगढ़ में बरसात को लंबा समय होने के कारण गांवों में बने जोहड़ों पर भी पानी का संकट मंडरा सकता है। क्योंकि प्राथमिकता लोगों को पेयजलापूर्ति की होती है। ऐसे में यदि नहरों से पानी कम मिला तो मवेशियों का जल संकट उभर सकता है। लंबे समय से बरसात नहीं होने के कारण गांवों में बने जोहड़ों में पानी की किल्लत खड़ी होने लगी है। ऐसे में सभी को केवल मनुष्य और मवेशी ही नहीं, जीव-जंतुओं की प्यास बुझाने के उपाय भी करने होंगे।

अबकी बार पहाड़ों पर बर्फ भी कम जमी

बीते मौसम में देखने को मिला है कि अबकी बार सर्दी के सीजन में पहाड़ों-पर्वतों पर गिरने वाली बर्फ काफी देरी से गिरी है और वह भी काफी कम मात्रा में गिरी है। जबकि नदियों में गर्मी सीजन में यही बर्फ पिघलने पर पानी आता है। अबकी बार बर्फ देरी से ही नहीं गिरी, बल्कि कम मात्रा में गिरने से नदियों में भी जल संकट पैदा होने का खतरा बन रहा है और इससे हरियाणा भी अछूता नहीं है, जिसका असर प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे जिला महेंद्रगढ़ की नहरी पानी की आपूर्ति पर भी पड़ सकता है।

नारनौल। सिंघाना रोड पर बने डिग पर चलतीं नहर की मोटरें व नहर में छोड़ा गया पानी। फोटो: हरिभूमि

पूरा जिला ही नहरी पानी पर निर्भर

जिला महेंद्रगढ़ की भौगोलिक परिस्थिति राजस्थान की मरू भूमि से काफी मिलती-जुलती होने के कारण यह जिला सूखा ग्रस्त ही माना जाता है। वैसे भी अबकी बार इस जिले में मानसून सीजन-2023 में केवल जुलाई महीने में ही बरसात हुई थी और अब अगस्त महीना शुरू हुआ, तब अचानक से बरसात ने अपना रूख मोड़ लिया था। उसके बाद से करीब आठ महीने बीत गए, अच्छी बरसात को तरस गया है। कई महीनों से बरसात नहीं होने से अबकी बार यहां की धरती खूब तपने एवं तापमान उग्र रहने की संभावनाएं बन रही हैं। ऐसे में लोगों के नहाने-धौने एवं पीने के पानी की ज्यादा खपत ही होगी।

सोच-विचारकर करें जल का उपयोग

अबकी बार नहरों में 27 दिनों बाद पानी आया है। इस कारण कुछ समस्या बनी थी। अब 24 दिनों में नहरों में पानी छोड़ा जाता है और गर्मी सीजन आ चुका है। वैसे भी अबकी बार नहरों में कम पानी मिलने की संभावना है। इसका कारण पानी की उपलब्धता ही कम होना है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पानी की एक-एक बूंद सोच-विचारकर उपयोग करने की आवश्यकता है। पानी बड़ा अनमोल है और यह सबके लिए जीवन उपयोगी भी है।

-नितिन भार्गव, कार्यकारी अभियंता, नहरी जल सेवाएं विभाग, नारनौल।

महेंद्रगढ़। शहर में फ्लैग मार्च निकालते पुलिस जवान व पैरामिलिट्री फोर्स।

पुलिस ने अर्द्धसैनिक बल के साथ मिलकर निकाला मार्च

■ लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

लोकसभा चुनाव से पहले मतदाताओं के बीच सुरक्षा और विश्वास की भावना पैदा करने के लिए पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों ने महेंद्रगढ़ और सतनाली में फ्लैग मार्च किया।डीएसपी मोहम्मद जमाल ने कहा कि पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों द्वारा महेंद्रगढ़ और सतनाली में फ्लैग मार्च किया गया। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च समाज में सुरक्षा और सद्भाव की भावना पैदा करने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र प्रभुत्व अभ्यास का एक हिस्सा है। चुनाव पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक संपन्न कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए एसपी अर्श वर्मा के निर्देशानुसार डीएसपी मोहम्मद जमाल के नेतृत्व में पुलिस ने अर्द्धसैनिक बल के साथ महेंद्रगढ़ और सतनाली में फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का मकसद मतदाताओं में विश्वास जगाना और उन्हें भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दौरान लोगों से अपील की गई कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें।

अफवाहों पर न दें ध्यान

डीएसपी ने फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें। यदि उन्हें किसी भी तरह की समस्या का सामना करना पड़े तो वे तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित करें।

खेत से सरसों के बैग चोरी करने वाले गिरफ्तार

नारनौल। खेत से सरसों के कट्टे चोरी करने के मामले में थाना अटेली पुलिस ने दो आरोपित सचिन वासी अटेली व घनश्याम वासी उनिंदा को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से सरसों के चार कट्टे बरामद हुए। पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित नशे के आदी हैं। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता कुलदीप वासी बेगपुर ने थाना अटेली में शिकायत दर्ज करवाई कि पांच रात को उसने अपने खेत की सरसों निकलवाई थी और सरसों कट्टों मे डालकर वहीं पर रख दी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि छह अप्रैल सुबह जब वह अपने खेत में गया तो चार कट्टे सरसों के कम मिले। इसके बाद में वह अपने गांव के रेलवे अंडरपास पहुंचा, तो तीन लड़के मोटरसाइकिल पर सरसों के कट्टे लेकर जा रहे थे। जिस पर उसने ने अपने भाई प्रदीप को बुलाकर दो लड़कों को सरसों के कट्टों सहित पकड़ लिया, जबकि एक लड़का मोटरसाइकिल लेकर भाग गया।

पंप पर शराब पीकर कारिंदों से की मारपीट, पुलिस केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कोजिंदा के समीप बने पेट्रोल पंप पर काम करने वाले दो कारिंदों के साथ सिमी सरदार व दो-तीन अन्य लोगों के विरुद्ध पुलिस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित गांव कोजिंदा निवासी अमन यादव ने बताया कि वह कोजिंदा का रहने वाला है तथा वह दो भाई हैं। छोटा भाई कमल गांव के नजदीक बने पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि गत एक अप्रैल की रात्रि करीब साढ़े दस बजे पंप पर सिमी सरदार व 2-3 अन्य नामालूम व्यक्ति वहां पर आए। उन्होंने वहां पर केक काटा और फिर शराब पीना शुरू कर दिया। इसी दौरान रविंद्र व कमल के साथ सिमी सरदार व उसके साथियों ने झगड़ा शुरू कर दिया। कुछ देर पश्चात रविंद्र पंप से अपने घर आने के लिए पेट्रोल पंप से पैदल निकल पड़ा, जिस पर उसका भाई कमल रविंद्र को मोटरसाइकिल से छोड़ने निकल पड़ा। जब कमल व रविंद्र पेट्रोल पंप के बाहर रोड पर आए, तब सिमी सरदार व उसके दो-तीन साथियों ने प्लानिंग करते हुए कमल व रविंद्र को मारना-पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने उनको गंभीर चोटें मारी, जिससे कमल व रविंद्र दोनों ही सड़क पर बेहोश होकर गिर गए। बाद में पीसीआर की गाड़ी वहां आई और डॉयल 112 को फोन करके एंबुलेंस से हॉस्पिटल में पहुंचाकर भर्ती कराया गया। वहां से अगले दिन दोनों की तबीयत ज्यादा खराब होने पर रविंद्र को सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर एवं कमल को दुर्लभ जी अस्पताल जयपुर में एडमिट करवाया गया।

जिले की मंडियों में अब तक समर्थन मूल्य पर हो चुकी 27 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

संडे को छुट्टी होने के चलते जिले की अनाज मंडियों में रबी सीजन-2024 की सरसों फसल की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद तो नहीं की गई, लेकिन मंडियों में छुट्टी के दिन उठान कार्य जोरों पर चला। अब सोमवार से पुनः सरसों परचेज की जाएगी। जिले की मंडियों में अब तक 27415 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि जिले की छह मंडियों में हैफेड सरसों की खरीद सरकारी समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद कर रहा है। इसके चलते जिले की मंडियों में अब तक 27415 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है। जबकि 16696 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग की गई। अब मंडियों में 10718.20 मीट्रिक टन सरसों की लिफ्टिंग होना शेष है। जानकारी मुताबिक अब तक नारनौल मंडी में 6391.20 मीट्रिक टन सरसों की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद हो चुकी है। इसी प्रकार अटेली में 4264.15 मीट्रिक टन, महेंद्रगढ़ में 3828.80, कनीना में 5914.60 मीट्रिक टन, सतनाली में 2688.30 मीट्रिक टन तथा नांगल चौधरी मंडी में 4328.05 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है। रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते सभी मंडियों में खरीद बंद रही, जबकि इससे पहले शनिवार को भी नारनौल को छोड़कर शेष सभी मंडियों में नई सरसों की खरीद बंद रखी हुई थी, क्योंकि इन सभी मंडियों में शुक्रवार को सरसों की बंपर आवक होने के चलते मंडियों में कदम रखने को जगह नहीं बची थी, जिस कारण गेटपास बंद करने पड़े। ऐसे में ये मंडियां गेट पास के लिहाज से बंद रखने के बाद अब सोमवार से पुनः खोल दी जाएंगी और सरसों की सरकारी समर्थन मूल्य पर पहले की तरह परचेज हो सकेगी। जिला में करीब 80 हजार किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सरसों का रजिस्ट्रेशन कराया हुआ है, जिनमें से 394 गांवों के महज 13 हजार 846 किसानों ने ही अभी तक सरकारी खरीद का फायदा उठाया है। अधिकतम किसान अब भी बचे हुए हैं, जो आने वाले दिनों में मंडियों में सरसों लेकर आ सकते हैं।

नारनौल। अनाज मंडी में सरसों की खरीद करते प्रबंधक रोशनलाल।

आज होगी ढाकोड़ा पावर हाउस की मरम्मत

नांगल चौधरी। ढाकोड़ा में स्थित पावर हाउस की आठ अप्रैल को मरम्मत की जाएगी। इस दौरान पावर हाउस के अंतर्गत 15 से अधिक गांवों की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। कनिष्ठ अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि गर्मी का सीजन शुरू होते ही बिजली की खपत बढ़ गई। सप्लाई का लोड पड़ने से विभिन्न उपकरण खराब होने की संभावना बढ़ गई। साथ ही सप्लाई लाइन पर कई जगह पेड़ों की टहनियां टिकी हुई हैं। जिस कारण थोड़ी हवा चलते ही सप्लाई ब्रेक डाउन की समस्या आने लगी है। समाधान के लिए निगम ने पावर हाउस के उपकरणों की रिपेयर तथा तारों पर टिकी हुई टहनियों को काटा जाएगा। सोमवार की सुबह नौ बजे रिपेयर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी तथा एक बजे तक कंप्लीट करने का शेड्यूल है।

नांगल चौधरी। जांगिड़ समाज के ब्लॉक प्रधान व अन्य। फोटो: हरिभूमि

राजेश बने जांगिड़ समाज के ब्लॉक प्रधान

नांगल चौधरी। विश्वकर्मा समाजिक एवं शैक्षणिक संस्था की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें जांगिड़ सभा के नांगल चौधरी ब्लॉक का सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। इस दौरान समाज में फैली नशाखोरी व दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने की रूपरेखा बनाई गई। संगठन के सचिव महावीर प्रसाद ने बताया कि राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई समाज होती है। इसलिए किसी भी देश का विकास व सुरक्षा समाज की सकारात्मक सोच पर निर्भर रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कारों का प्रसार करके समाज को संगठित करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि जांगिड़ समाज ने सामूहिक सहयोग से धर्मशाला का निर्माण करवाया है। जिसमें युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग तथा स्वास्थ्य संबंधी सुविधा मुहैया करवाई जाएंगी।

शिक्षा समिति के पूर्व चेयरमैन द्वारा किए गए दुष्प्रचार के विरोध में हुई सर्व समाज की बैठक

पीड़िता के पिता ने न्याय मिलने तक धरना जारी रखने को चेताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर निवासी एक विवाहिता की ससुराल में स्कूल शिक्षा समिति के पूर्व चेयरमैन द्वारा किए गए दुष्प्रचार के विरोध में रविवार को शहर की कमला धर्मशाला में सर्व समाज की एक बैठक बुलाई गई। बैठक में विभिन्न सामाज के लोगों ने हिस्सा लेकर विवाहिता के साथ हुई घटना को लेकर अपना रोष प्रकट किया। बैठक की अध्यक्षता यादव सभा के प्रधान एडवोकेट अभय राम यादव ने की। महापंचायत में सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गए। बैठक में अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। इसके अलावा बेटी के पिता ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक सैनी सभा के सामने धरना जारी रहेगा। बता दें कि सैनी समाज की स्कूल शिक्षा समिति के पूर्व चैयरमैन ने शहर निवासी एक विवाहिता की सुसराल सहित अन्य गांवों में पंपलेट डालकर युवती का दुष्प्रचार किया था। जिसको लेकर सैनी समाज के लोगों की ओर से सोमवार को अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया था। बैठक में 21 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई जो डीसी, एसपी से मुलाकात कर बेटी के पिता को मदद दिलवाई जाएंगी। इसके अलावा सर्व समाज ने आरोपित व उसके पिता का सामाजिक बहिस्कार सहित अनेक निर्णय लिए गए।

महेंद्रगढ़। महापंचायत में विचार रखते वक्ता। फोटो: हरिभूमि

सैनी समाज की हो चुकी है महापंचायत

सर्व समाज से बैठक से पूर्व सैनी सभा की महापंचायत भी आरोपित के खिलाफ चार निर्णय ले चुकी है। महापंचायत में निर्णय लिया गया था कि सैनी समाज की सोसायटी अपने लेटर हेड में लिखकर घटनाक्रम से प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी को अवगत कराएगी, ताकि पीड़िता को जल्द न्याय मिल सकें। इसके अलावा समाज के लोग जल्द जिला शिक्षा अधिकारी से मिलकर सैनी समाज की ओर से संचालित स्कूल का ताला खुलाएगी। उनका कहना है कि इस समय स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया चल रही है। वहीं स्कूल के गेट पर ताला लगने के कारण बच्चों के एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। वहीं सोसायटी के सभी मेंबर सैनी प्रधान के खिलाफ के खिलाफ बर्खास्त पत्र लिखकर जल्द जिला रजिस्ट्रार को सौंपेगी तथा जल्द ही जिला रजिस्ट्रार आगामी कार्रवाई के लिए मुलाकात की जाएंगी। इसके अलावा समाज की ओर से शिक्षा समिति के पूर्व चेयरमैन के पिता को नाम बदल कर बुलाया जाएगा। इस मौके पर मास्टर दिनेश सैनी, राधेश्याम, होशियार सिंह, श्योराम, सुरेश सैनी, मुकेश सैनी, शिव कुमार गर्ग, हरनाम, जयसिंह, रामसिंह, बिशंबरसिंह, विरेंद्र, विकास तिवाड़ी, पूर्व पार्षद बंशीलाल, यादव सभा के पूर्व प्रधान डॉ. प्रेमराज यादव, संजय राव रिवासा, भूपेंद्र आर्य, सुनील कुमार सहित अनेक समाज के लोग उपस्थित रहे।

जो मनुष्य परमात्मा का ज्ञन प्राप्त कर लेता है, वह परमात्मा का ही स्वरूप बन जाता है और इस तरह सिद्ध है कि गुरू के आसन पर मनुष्य नहीं किन्तु परमात्मा स्वयं आसीन रहते हैं।

-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

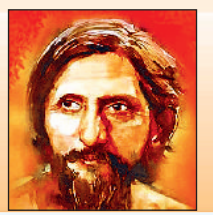

मैं जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह सामाजिक विषमता जनमानस में गहरी पैठ बनाए हुए है।

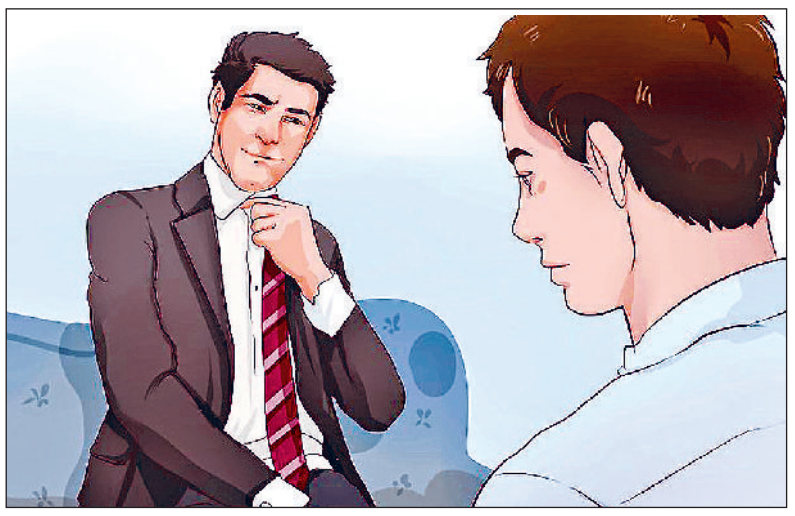

तेरी औकात मेरी औकात

कहानी | डॉ. रमेशचंद्र

उन दिनों मैं काम की तलाश में भटक रहा था। मुझे कोई काम नहीं मिल रहा था। हार कर मैंने यह तय कर लिया कि मुझे छोटा मोटा जो भी काम मिल जाएगा, मैं कर लूंगा। भूखों मरने से तो अच्छा है कि कुछ कमाकर भूख मिटाऊं। मैं पढ़ा लिखा नौजवान था, लेकिन दलित समाज का होने के कारण हर जगह से दुत्कार दिया जाता था। इस कारण ढंग का कहीं भी काम नहीं पाता था। आखिर मुझे एक भले आदमी ने काम दिया। वह काम था मज़दूरी करने का। उसके मकान का काम चल रहा था, इसलिए उसने मिस्त्री के कहने पर काम पर रख लिया। मैं मिस्त्री के अधीन काम करने लगा। उसके कहने पर ईंट तगारी में भर कर लाता और मिस्त्री को दे देता। मिस्त्री उससे दीवार बनाता। कभी कभी सीमेंट और रेती मिला कर ईंट जोड़ने का मसाला भी बनाता। मुझसे जो भी करने को कहा जाता कर देता। मेरा यह काम कुछ दिनों तक चलता रहा।

धीरे-धीरे मैं मिस्त्री का हेल्पर बन गया। फिर जब उस व्यक्ति का मकान बन गया तो मिस्त्री का काम खत्म हो गया और साथ में मेरा भी। मिस्त्री ने मुझे आश्वस्त किया कि कहीं भी उसे काम मिलेगा तो वह उसे बुला लेगा और अपने साथ काम पर रख लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे तो काम करना था कोई भी काम, इसलिए मैं किसी का सामान उठा कर रेलवे स्टेशन ले आता तो किसी का ठेला चलाकर मज़दूरी करता। इस तरह थोड़ा कमाकर अपना पेट भर लेता था, लेकिन इस तरह की छुट्टी मज़दूरी करके अपना पेट अधिक समय तक तो भर नहीं सकता था। मुझे किसी स्थायी काम की तलाश थी।

आखिर खोजबीन करने पर एक आफिस में मुझे झाड़ लगाने का काम मिल गया तो वही करने लगा। थोड़े दिन तक वह काम करता रहा फिर उस भले आदमी ने अपने घर के काम के लिए रख लिया। उसका बाज़ार से सामान लाना, आटा पिसा कर चक्की से लाना, फिर उसके बच्चे को स्कूल छोड़ने और लाने का काम करता, लेकिन पैसा उतना ही मिलता, जितना कि एक नौकर को या मज़दूर को मिलता है। काम पर रखने वाले भी पहले मेरी जाति और धर्म पूछते तभी काम पर रखते। जैसै ही मेरी जाति का पूछते मैं अपनी दलित जाति बता देता तो वे तुरंत मुझे अपने काम से हटा देते। इस तरह कितनी ही जगह से मुझे निकाल दिया गया।

आखिर बहुत भटकने के बाद एक साहब ने मुझे अपने यहां रख लिया। उनके घर के काम करता और बच्चों को स्कूल ले जाता और स्कूल से घर ले आता था। वे कलेक्टर कार्यालय में काम करते थे। एक दिन मुझसे कोई गलती हो गई तो वे साहब मुझ पर बिगड़ पड़े। अनाप शनाप बुरा भला कहने लगे। यहां तक कि उन्होंने मुझे दलित कह कर मेरा घोर अपमान किया। उनके शब्द थे- 'तेरी औकात.ही क्या है, जो हमसे आंख मिला कर बातें कर सके।'

बात आई गई हो गई। समय बदला और मैं अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान देने लगा। मेहनत मज़दूरी करता और रात में पढ़ाई। एक मेहरबान व्यक्ति ने मुझे मार्गदर्शन दिया और मैं ग्रेजुएट हो गया, फिर पोस्ट ग्रेजुएट हो गया। फिर उन्हीं मेहरबान व्यक्ति ने मुझे पीएससी परीक्षा में बैठने और बड़ा अफसर बनने की प्रेरणा दी। मैं प्राणपण से उसमें जुट गया। पीएससी की परीक्षा के साथ साथ मैं यूपीएससी की परीक्षा में बैठा। मेरा चयन हो गया तो उन सज्जन ने मुझे शाबाशी दी और हौसला बढ़ाया। यद्यपि वे उच्च जाति के थे, किंतु उन्होंने कभी मुझे दलित नहीं समझा। उन्होंने अपने सद्व्यवहार से मुझे हर तरह से सहयोग और प्रोत्साहन दिया। बाद में मुझे आईएएस के लिए चयनित कर लिया गया। कलेक्टर के पद पर सिलेक्ट करने के बाद मुझे ट्रेनिंग के लिए भेज दिया गया। अच्छे और बुरे दिन जीवन में आते रहते हैं। मेरे बुरे और अभावों के दिन बीत चुके थे। अब मैं कलेक्टर होकर उसी जिले में पदस्थ हो गया। जहां मैं बहुत पहले एक साहब के यहां काम करता था। मैं यह बात अभी तक भूला नहीं था कि कभी उन्होंने मुझे मेरे दलित होने पर हंसी उड़ाई थी और मेरा अपमान किया था। जिस दिन मुझे कलेक्टर के पद पर ज्वाइन होना था। मैंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बुलाकर उन सभी का परिचय पूछा। उनमें वह व्यक्ति भी था। वह व्यक्ति मेरे सामने हाथ बांध कर खड़ा था। उसने मुझे देखा तो उसके चेहरे पर विस्मय के भाव थे। सबके साथ उसने भी अपना परिचय दिया था। वह मन ही मन घबरा भी रहा था कि साहब अब पता नहीं उसके साथ क्या करेंगे। अनिष्ट की आशंका से वह डर भी रहा था ऐसा मैंने महसूस किया था। मैं सबको देखने और परिचय लेने के बाद उनको जाने दिया और अपने काम में जुट गया। दूसरे दिन वह व्यक्ति मेरे चैम्बर में आया। प्यून ने मुझे भीतर आकर बोला 'सर, आपसे मिलने के लिए शर्मा बाबूजी आना चाहते हैं!'

मैंने उसकी ओर देख कर पूछा 'कौन शर्मा बाबू..!' तब उसने शर्मा बाबू के बारे में बताया। मैं समझ गया कि यह वही शर्मा बाबू होगा, जिसके यहां मैं नौकर था। मैंने प्यून से कहा 'भेज दो उसको..!'

शर्मा बाबू आया और सीधा मेरे पैरों में झुक गया। मैंने उसे देखा यह वही व्यक्ति था। उसे उठाते हुए मैंने कहा- 'अरे, ये क्या कर रहे हो।'

वह बोला 'सर मुझे क्षमा कर दीजिए। मैंने अपने घमंड में आकर आपको उस समय भला बुरा कह कर अपमानित किया था। मुझे इस बात का बहुत पछतावा हो रहा है। मुझे अब ऐहसास हो गया कि औकात क्या होती है। मुझे क्षमा कर दीजिए सर..!' कह कर वह गिड़गिड़ाने लगा।

मेरे मन में उसके प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने उसे समझाते हुए कहा- 'देखो, उस समय तुमने जो कहा था वह उस समय की बात थी। अब उस बात को भूल जाओ। अपने मन में पछतावे का भाव भूल कर अपने काम पर ध्यान दो। मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है।'

यह सुन कर शर्मा बाबू के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोला - 'सर आपने मुझे क्षमा कर दिया। सचमुच आप ग्रेट हैं।'

मैं केवल मुस्कुरा भर दिया। जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान भी नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह इस सामाजिक विषमता भारतीय जनमानस में बहुत गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इसके समाप्त होने में अभी काफी समय लगेगा।

शर्मा बाबू मेरे चैम्बर से चला गया, लेकिन एक प्रश्नचिह्न छोड़ गया कि आदमी की औकात क्या होती है। मैं सोचने लगा यदि उसने उस समय मुझे मेरी औकात नहीं बताई होती तो आज मैं उसको अपनी औकात कैसे बताता..!

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

लघुकथा | प्रिया देवांगन 'प्रियू'

अधूरी ख्वाहिश

मम्मी....मम्मी..... सुनिए न! क्या हुआ मेरी गुड़िया? प्रातःकाल से इतना शोर क्यों मचा रही हो? मिन्नी स्वरबद्ध होकर बोली और आकर पीछे से लिपट गई। अच्छा बताओ क्या बात है? मिन्नी बोली– 'मम्मी मेरे दिमाग में बहुत अच्छा आइडिया आया है, आज के लिए।' ओह! ऐसा आज कुछ खास दिन है क्या? मिन्नी अपनी आँखें बड़ी–बड़ी कर हैरान नज़रों से मम्मी को देखने लगी; तभी किचन में पापा जी भी आ गए और दोनों से पूछने लगे- 'क्या बात है? माँ–बेटी में क्या खुसुर–फुसुर हो रही है भई....!' पापा जी थोड़ा मजाकिया अंदाज में बोले। नहीं... नहीं...ऐसी कोई बात नहीं है पापाजी कह कर मिन्नी किचन से चली गई। पापा जी के ऑफिस जाने के बाद मिन्नी बोली 'क्या मम्मी आप भी न..!' ऐसा बोलते ही शांत बैठ गई। ओहहो! ठीक है बाबा बताओ 'क्या–क्या करना है?' मिन्नी ने अपनी मम्मी को पूरी योजना बताई। मम्मी बहुत खुश हुई और बोली एक बिटिया ही तो होती है, अपने पापा के जीवन में हर छोटा–बड़ा सपना को साकार करने में लगी रहती है और बिल्कुल माँ जैसा ख्याल भी रखती है, भाव–विभोर हो मम्मी की आँखें भर आईं। शाम होते ही पापा जी ऑफिस से घर लौटे, थोड़ी देर बाद मिन्नी पापा जी से बोली- 'पापा जी चलिए न मेरे कमरे में!' क्यों? पापा जी बोले। ऐसे ही....कुछ दिखाना है आपको। अच्छा चलो; मम्मी पापा और मिन्नी तीनों कमरे में गए। कमरे में अंधेरा था। 'बिटिया लाइट तो जलाओ।' 'धैर्य रखिए बाबा....। इतनी भी क्या जल्दी है!' मिन्नी पापा की लाडली जो थी। 'ओके बिटिया...।' लाइट जलाते ही पापा जी विस्मित भाव से देखने लगे। सहसा फूलों की वर्षा होने लगी, छोटे–छोटे लाइट जुगनुओं की तरह चमकने लगे, नीचे धरती पर मखमली घास बिछी थी, कोयल के सुमधुर आवाज की तरह धीमे स्वर में गाना चल रहा था, एक प्यार का नगमा है..! टी–टेबल में बहुत सारी मिठाइयाँ, फल–फूल, केक वगैरह.... वगैरह..? केक कट करते ही मिन्नी पापा जी को एक गिफ्ट पैकिंग आहिस्ता से खोलने के लिए बोली। पापा जी भी मुस्कुराते हुए आहिस्ता–आहिस्ता खोलने लगे। खोलते ही उनकी आँखें नम हो गईं और मिन्नी को गले से लगा लिया। पिता, बेटी को प्यार भरी नज़रों से देखने लगे। उन्होंने देखा पापा की एक फेवरेट लैपटॉप उनके सामने रखी हुई है। जिसकी पापा जी को बरसों से अभिलाषा थी। बेटा ये लैपटॉप!! 'ना...ना...पापा जी कुछ न कहिए ये आपके बहुत काम की है, आप दिन–रात, जाग–जाग कर मोबाइल में ही अपनी कविताएं टाइप करते रहते हैं। सो..... मैंने और मम्मी ने सोचा क्यों न पापा जी को सरप्राइज दे दें।' पापा जी बोले 'आज मेरी बेटी इतनी बड़ी हो गई की पापा की ख्वाहिश पूरी कर रही है!' मिन्नी बोली हैप्पी बर्थडे पापा, हैप्पी बर्थ डे माई डियर पापा जी...! तभी कानों में मम्मी की आवाज सुनाई देने लगी। मिन्नी अरी ओ गुड़िया, उठो! बेटा भोर हो गई। कितनी देर तक सोएगी? मिन्नी की आँखें खुलीं, चहुँओर सन्नाटा छाया था। जो कुछ भी हुआ एक स्वप्न था। मिन्नी, मम्मी को गले लगाती हुई अपने पापा को याद कर सिसकियाँ भर–भर कर रोने लगी।

कविता | पूजा गुप्ता

कुछ छोरियां

कुछ छोरियां...
नीरनिधि से निकली,
अमृत कुंभ होती हैं।
जहां भी छलक जाती हैं..
पुण्यस्थान बना देती हैं।

कुछ छोरियां.....
ब्रह्ममुहूर्त की रक्तिम आभा जैसी।
साथ होती है तो....
नई संभावनाओं को जन्म देती है,
राह को रोशनी कर देती है।

कुछ छोरियां अमरबेल होती है...
आलिंगनबद्ध कर लेती है।
पतझड़ हो या मधुऋतु....
हर पल साथ निभाती है।

कुछ छोरियां....
मधुर संगीत होती है।
छू लेती है मन को,
याद आती है बरसों।

कुछ छोरियां...
अमृत फल होती है।
बिखरा देती है रूप सुगंध...
चंचल कर देती है अंतर्मन।

दोहे | अरुण कुमार कैहरबा

पर्यावरण के दूत

पर्यावरण की दूत है, जीवन का सम्मान।
गौरैया जो बची रही, इसमें सबका मान।।

प्यारे-प्यारे गीत हैं, चीं-चीं-चीं का गान।
उसके नर्तन पर करे, आंगन भी अभिमान।।

नन्हीं है आकार में, फिर भी बहुत महान।
इसके होने से रहती है पर्यावरण में जान।।

फसल उगाकर खेत में, इतराता इन्सान।
खाकर जिसे गौरया, हो गई लहुलुहान।।

जहर हवा में घुल रहा, हुआ फूहड़ शोर।
कैसे बचेंगे ऐसे में, गौरया और मोर।।

गौरैया जो ना रही, बचेगा नहीं इन्सान।
इन्सां ही कहलाएगा, सबसे बड़ा हैवान।।

आओ पुराने दौर को, फिर से करें साकार।
प्रकृति व पर्यावरण से, सबको ही हो प्यार।।

धरती व आकाश में, पंछी करें किलोल।
गौरैया के गान पर, सब नाचें दिल खोल।।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

गृहस्थी का रथ

दिव्या तुम बड़े परिवार की इकलौती बेटी हो...भला तुम्हारे लिए रिश्ते की कोई कमी होगी...एक से बढ़कर एक रिश्ते आएंगे तेरे लिए। माँ ने दिव्यांग बेटी को समझाते हुए कहा।

'लेकिन माँ मैं सिर्फ ऐसे लड़के से शादी करूँगी...जो मेरे जैसा ही हो...वो भी दिव्यांग की श्रेणी में आता हो।' दिव्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

'बेटी! ये क्या कह रही है तू?' मां ने आश्चर्य से पूछा।

'माँ मैं बिल्कुल ठीक कह रही हूँ, अगर मैं और मेरा पति एक जैसे होंगे..तो हम दोनों के बीच अक्षमता को लेकर कोई कुटिल विचार नहीं आएंगे। एक-दूसरे की भावनाओं को समझ सकेंगे।' दिव्या बोली।

तभी पड़ौस के घर से जोर-जोर से आवाजें आने लगी। 'देखो मैंने तुम से शादी करके तुम पर अहसान किया है...तुमने अपनी सूरत आइने में देखी है कभी।' पड़ौसी रोहित अपनी पत्नी पर चिल्लाते हुए कहा रहा था।

'हाँ...हाँ..मैं नहीं हूँ, तुम जितनी सुंदर, लेकिन मेरे बाप ने भी तुम्हें मुंह माँगी रकम दी थी, हरे-हरे नोटों के सामने तुम्हारी खूबसूरती फीकी पड़ गई थी, मेरे सामने।' रोहित की पत्नी ने भी पलट कर जवाब दिया।

दिव्या बोली, 'देख लिया न....अपने पड़ौस का हाल..क्या अब भी तुम।'

'ना मेरी बच्ची...तू जो कह रही है... बिल्कुल ठीक है। गृहस्थी के रथ के दोनों पहिए बराबर होने चाहिए।' माँ ने बेटी को गले लगाते हुए कहा।

कविता | लवली आनंद

कैसे पी मन भाऊ री

पियर शरीर मोरा लाज से होइहे,
कैसे पी घर जाऊ री.....
देह मिलते सब बिसर गाई मन,
देह त्यागें डर लागे री.....1

लगी दामन में सौ रंग दाग के
अब कौन जतन से छुड़ाऊं री.....
हे सखी मोरा मन धक-धक होइहे,
कैसे पिया से नयन मिलाऊ री...

काम,क्रोध,लोभ,माया सखी जे होइहें,
फिर कैसे पी मन बस जाऊ री....
सुनु सखी मोरा पिया रुसल होइहें,
अब कौन से राग मैं गाऊँ री.....

सब रंग पटिया शरीर जे होइहें,
तो कृष्ण रंग कैसे मैं जानु री...
जो कृष्ण रंग मैं देखन होइहें,
फिर मोहे कोई और रंग न भायो री.

युवा पीढ़ी के लिए वही सच है, जो दिखाया जा रहा है। आजकल की युवा पीढ़ी में साहित्य, लोक कला व संगीत में रुचि नहीं है, ऐसा भी नहीं लगता, बल्कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रदर्शनों की आई बाढ़ से उनमें संयम की कमी नज़र आती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों की बातों को यदि रुचिकर माध्यम से युवाओं तक पहुँचाया जाए, तो सुधार की संभावना है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

युवा पीढ़ी की साहित्य और लोक कला में रुचि नहीं : डॉ. डेजी

साहित्य जगत में हरेक लेखक, साहित्यकार, कवि और लोक कलाकार अपनी संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत रखने के लिए साहित्य संवर्धन करता आ रहा है। ऐसे ही साहित्यकारों में महिला साहित्यकार डा. डेजी 'मुदिता' ने एक शिक्षाविद् होने के बावजूद काव्य और लोक साहित्य लेखन के माध्यम से सामाजिक जीवन में अनसुलझी पहेलियों और समस्याओं को उजागर किया है। यही नहीं अंग्रेजी भाषा शिक्षण और महिला अध्ययन में उन्हें महारत हासिल है, जिसमें उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र भी प्रस्तुत हो चुके हैं। भारत-एशिया अध्ययन केंद्र और शिक्षण संस्थान केंद्र में लंबे समय तक सेवारत रही द्विभाषी कवयित्री, लेखिका और अनुवादिका एवं गर्ल्स कॉलेज, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां(सोनीपत) में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. डेजी 'मुदिता' ने अपने लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, उससे जाहिर है कि वह महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित हैं। डेजी का जन्म 28 दिसंबर 1970 को सोनीपत में एक शिक्षित परिवार में धर्मवीर सिंह व श्रीमती शांति देवी के घर में हुआ। उनके पिता सीआरए कॉलेज सोनीपत में रसायन विभागाध्यक्ष और सेवानिवृत्ति से पहले दो साल प्रिंसिपल भी रहे। वहीं उनकी माता भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका रही। उनके दादा भी उस जमाने के गणित शिक्षक रहे। शिक्षा जगत में खुद एसोसिएट प्रोफेसर डा. डेजी मुदिता तीसरी पीढ़ी है। खास बात ये रही कि उनके परिवार के सदस्य विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। यहां तक कि उनकी बड़ी बहन और बहनोई भी शिक्षक हैं। भाई खेल जगत से बीसीसीआई के साथ जुड़े रहते निजी व्यवसाय में है तो बेटा रैप गायकी व ऑनलाइन स्टार्ट-अप की तैयारी में है, इसलिए उनके परिवार में शिक्षा को सर्वोपरि रखा गया। बकौल डा. डेजी, उनके घर में अखबार और विभिन्न पत्रिकाएं आती थी, जिन्हें पढ़कर उनकी किशोर अवस्था में उपन्यास पढ़ने में रुचि हो गई। कविता का संचार उनके भीतर बचपन से ही था। किशोरावस्था में उनकी मुलाकात सहेली योगिता से हुई, जिनकी एक कविता अखबार में छपी थी, तो उसके मन में भी परिवार से छुपकर कुछ कविताएं लिखी, जिन्हें उसने अपनी सहेली के अलावा किसी अन्य से साझा नहीं की। जब वह नौवीं कक्षा की परीक्षाओं की तैयारी करते हुए जब उनका ध्यान चीटियों पर गया तो वह चंद कविताएं लिखने का उतावली हुई। बारहवीं कक्षा में अध्ययन के दौरान उनकी पहली कविता 'पल भर की आशा' कॉलेज की मैगजीन में छपी। हालांकि उनका असली साहित्यिक सफर तो उसी समय गतिमान हुआ जब वह चालीसवें बंसत में पहुंची। उस समय उनके मित्र व सहकर्मी रवि भूषण ने कहा था कि 'इंसान जिस भी विधा में स्वयं को बेहतर अभिव्यक्त कर सके, उसी में करना चाहिए। साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनका पहला काव्य-संकलन 'आस' साल 2009 में प्रकाशित हुआ, उन्होंने कृति की पहली प्रति अपने माता-पिता को को देकर सरप्राइज दिया, जिसे देखकर वे बेहद खुश हुए। इसके बाद 'करवटें मौसम की' और कथा संग्रह 'कटघरे' साल 2017 में पाठकों के समक्ष आए। डा. डेजी का कहना है कि यदि 'साहित्य' को आप केवल प्रकाशित साहित्य की दृष्टि से देखेंगे तो ऐसा साहित्य के प्रति रुचि कम हो रही है, लेकिन इस परिवर्तनशील संसार में आज सत्य पर माध्यम हावी हो चुका है यानी अधिकतर लोग दृश्य-श्रव्य माध्यम से ही जीवन को भी आंकने लगे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. डेजी 'मुदिता' की 14 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण की पुस्तक 'हरियाणा की भाषाएं' नवीनतम कृति है। इसके अलावा उनके काव्य संग्रह–'आस' और 'करवटें मौसम की' के अलावा कथा संग्रह 'कटघरे' भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने आधा दर्जन से ज्यादा पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में भी लिखी हैं। पिछले दिनों ही हरियाणा की कवयित्रियों की श्रेष्ठ कविताओं एक एक काव्य संकलन 'धूप में चाँदनी' उनकी दस कवितायें प्रकाशित हुई थी।

डॉ. डेजी 'मुदिता'

पुरस्कार व सम्मान

महिला साहित्यकार एवं कवयित्री डा. डेजी 'मुदिता' को ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशनल ग्रोथ की ओर से 'भारत शिक्षा रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। शिवयुवा शक्ति संघ के शिक्षक सम्मान के अलावा हरियाणा सरकार भी उन्हें गणतंत्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित कर चुकी है। कवयित्री के रूप में महिला काव्य मंच उन्हें काव्यात्मक प्रतिभा सम्मान से भी अलंकृत कर चुकी है। इसके अलावा विभिन्न साहित्य एवं सामाजिक मंच पर भी उन्हें अनेक पुरस्कार पाने का सौभाग्य मिला है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. डेजी 'मुदिता'
जन्मतिथि: 28 दिसंबर 1970
जन्म स्थान: सोनीपत (हरियाणा)
शिक्षा: बी.एस.सी. (नॉन मेडिकल), एमए, एम.फिल(ईएली), पीएच.डी।
संप्रति: एसोसिएट प्रॉफेसर (अंग्रेजी), स्वतंत्र काव्य व कथा लेखन

विसंगतियों पर प्रहार संवेदनाओं की पुकार

पुस्तक समीक्षा | आशा खत्री 'लता'

संवेदनाओं की पुकार लघुकविता सँग्रह आशा विजय विभोर का दूसरा लघुकविता संग्रह है जिसमे 103 रचनाएँ संगृहीत हैं। कवयित्री ने प्रस्तुत कविताओं में समाज में, मानवीय व्यवहार में, व्यवस्था में, राजनीति में व्याप्त विसंगतियों पर डटकर कलम चलाई है।

पुस्तक : संवेदनाओं की पुकार
लेखिका: आशा विजय विभोर
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक: आनन्द कला मंच

कवयित्री ने जहाँ वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सराहा है वहीं वे युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे की प्रवृति, बलात्कार, मजदूरों के शोषण, प्रकृति को नष्ट करने, नदियों को प्रदूषित करने, कला के नाम पर नग्नता, मांसाहार, बढ़ती महंगाई, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, पर्यावरण प्रदूषण व अन्य अनेक सामयिक विषयों पर खुलकर कलम चलाई है।

आशा जी एक संवेदनशील व्यक्तित्व की धनी हैं। उन्हें मनुष्य का शोषण पीड़ा देता है तो वे पक्षियों की पीड़ा को भी अनुभव और व्यक्त करती हैं। वे मानव के पशु-पक्षियों के प्रति दोगले व्यवहार से कराह उठती हैं। 'गौ सेवा' कविता में उनका तेवर देखिये-

दूध और मक्खन खाकर
मानव का हृदय तृप्त हो जाता
मूत्र तुम्हारा बीमारियों को दूर भगाता
उपलों से तुम्हारे हवन करके
वतावरण शुद्ध हो जाता
खाद से तुम्हारी
पौधों में जीवन आता
फिर भी पंजीकृत बूचड़खानों में
तुम्हारी हत्या से होकर बेपरवाह
स्वांग गौ सेवा का रचा जाता। आजकल मोबाइल का बोलबाला है। आशा जी ने ऑनलाइन सुविधाओं के साथ-साथ उनके नुकसान की तरफ भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। 'संवेदनाओं की पुकार' जिसके शीर्षक को पुस्तक का नाम दिया गया है में कवयित्री माँ की त्याग तपस्या के साथ-साथ बच्चों को माँ द्वारा त्याग दिए जाने की ज्वलंत समस्या पर भी लिखती हैं।

भाषा, सरल, प्रवाहमयी व सहज सम्प्रेषणीय है। आवश्यकतानुसार बात को प्रभावी ढंग से कहने के लिए मुहावरों का प्रयोग जैसे अपना उल्लू सीधा करना, अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना, आँखें बिछाना, आसमान से गिरा खजूर में अटका, दिल बाग-बाग हुआ, भी खूब किया गया है।

आवरण पृष्ठ आकर्षक है। शीर्षक को विषय अनुसार बिलकुल सही लिया गया है। 'अपनी बात' कहते हुए आशा विजय विभोर साथी साहित्यकारों का आभार प्रकट करती हैं। यह उनका बड़प्पन व सहृदयता है।

ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या

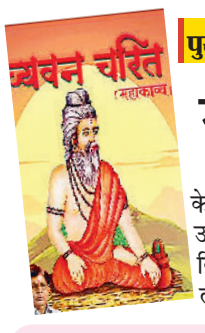

पुस्तक समीक्षा | विदर्भ कुमार

सुप्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' द्वारा रचित महाकाव्य कृति 'च्यवन चरित' के अध्ययन, मनन, और अनुशीलन के उपरांत निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि 'च्यवन चरित' कृति महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर एक सफल प्रबंध महाकाव्य कृति है। यह भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अप्रतिम एवं प्रभविष्णु कृति है।

पुस्तक : च्यवन चरित
लेखक: डॉ सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी
मूल्य : 750 रुपये
प्रकाशक: शतरंग प्रकाशन

इसका कथानक बड़ा सरस, रोचक कौतूहलवर्धक एवं सन्देशप्रद है, जो भारतीय वाग्डमय के वैदिक ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या की गई है। डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' ने मूल कथा को मनोवैज्ञानिक आधार पर छन्द के माध्यम से बहुत प्रभावशाली तरीके से सरस शैली में चित्रित किया है तथा कथा से पूर्व समर्पण के रूप में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की है।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' की कृति के मुख्य पात्र च्यवन ऋषि है। इसका उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष आदि चारों पुरुषार्थों को दृष्टिगत रखते हुए मानव जीवन में सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् की स्थापना करना है और त्याग के महत्व को प्रतिपादित करना है। इसमें शांत, शृंगार व करुण रस की प्रधानता है।

सबसे विशेष बात यह है कि इस पुस्तक का देशकाल और वातावरण कथानुरूप है। भाषा सरल, सुबोध, खड़ी बोली हिंदी है। बीच-बीच में तत्सम व तद्भव शब्दों का समावेश भी हुआ है । शैली सरस, चित्रात्मक और विश्लेषणात्मक है। अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग देखते ही बनता है, विशेष रूप से अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, दृष्टांत, श्लेष, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति आदि का प्रयोग हुआ है। निष्कर्षतः जीवन में त्याग की उपादेयता को रेखांकित करती प्रबंध महाकाव्य कृति ' च्यवन चरित' भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव, शीर्षक, सन्देश, काव्य प्रयोजन, उद्देश्य एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अत्यंत उत्कृष्ट एवं उपादेय है।

यह पठनीय एवं संग्रहणीय काव्य कृति में प्रथम बार च्यवन ऋषि के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को एकाकार रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधीजनों एवं साहित्य जगत में यह अपना उल्लेखनीय स्थान बनाएगी, ऐसा मेरा ध्रुव विश्वास है। लेखक साधुवाद के पात्र हैं। शुभकामनाओं सहित।

खबर संक्षेप

अस्पताल के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बावल। शहर के एक निजी अस्पताल के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई। जाटूवास निवासी जतिन ने बताया कि वह एक अस्पताल में नौकरी करता है। घर से बाइक लेकर वह अस्पताल आया था। बाइक बाहर खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। शाम को घर जाने के लिए जब वह अस्पताल से बाहर निकला तो बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

महिला से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सदर थाना एरिया में महिला का रास्ता रोककर छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीते शनिवार महिला ने गढ़ी अलावलपुर निवासी जसबीर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कराया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी जसबीर को गिरफ्तार कर लिया।

दो के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

धारूहेड़ा। वाल्मीकि मंदिर के पास एक व्यक्ति से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में टैंपो चालक नंदरामपुर बास निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि वह और कमल टैंपो लेकर कहीं जा रहे थे। मीट की दुकान के साथ मुन्ना व मोहित ने टैंपो रुकवाकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने उसे बचाया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उनकी तलाश शुरू कर दी।

टैंकर चालक के खिलाफ केस दर्ज

जाटूसाना। पाल्हावास के पास टी-प्वाइंट पर ईआरवी को टक्कर मारने के आरोपी टैंकर चालक के खिलाफ रोहड़ाई थाने में केस दर्ज किया है। गश्त के दौरान पुलिस की ईआरवी को एक टैंकर चालक ने टक्कर मार दी। गाड़ी में सवार एसआई कपूर सिंह, सिपाही अशोक और प्रदीप घायल हो गए। चालक टैंकर छोड़कर फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने कैंटर चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के बाद पुलिस ने गत 10 मार्च को महिला के ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के धनकोट निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट व धमकी देने देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मैलावास में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 15 मार्च को केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मैलावास निवासी खजान सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

नौ को तिरंगे के साथ ग्रामीण और शहरवासी सौंपेंगे ज्ञापन

स्टेट हाईवे की समस्याओं को लेकर डीसी से मिलेंगे: फौजी

नौ अप्रैल को शहर के व्यापारी व ग्रामीण बलवान फौजी के नेतृत्व के राव तुलाराम चौक से प्रदर्शन करते हुए तिरंगे के साथ उपायुक्त को सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। लोगों से मुलाकात करते बलवान फौजी। फोटो : हरिभूमि

शहर से गुजर रहे नारनौल-दादरी स्टेट हाईवे-148 बी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर नौ अप्रैल को शहर के व्यापारी व ग्रामीण बलवान फौजी के नेतृत्व के राव तुलाराम चौक से प्रदर्शन करते हुए तिरंगे के साथ उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेंगे। बलवान फौजी ने बताया कि व्यापारियों रविवार को भी उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखी। इससे पहले व्यापारी अपनी समस्याएं रख चुके हैं। लगातार अधिकारियों को लोगों की समस्याओं से अवगत कराया जा रहा हैं। लेकिन कोई समाधान नहीं निकल रहा। उन्होंने कहा कि नौ अप्रैल को उपायुक्त से स्टेट हाईवे पर कट की संख्या बढ़ाने, चौराहों पर सर्कल बनाने तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय से गांव नांगल सिरोही तक टाईल की जगह हरे-भरे पौधे की लगाने की मांग रखी जाएंगी। बलवान फौजी ने कहा कि स्टेट हाईवे का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वाहन तेजी से गुजरते हैं। शहर के मुख्य चौराहे के कैंची मोड़, रिवासा फ्लाईओवर, सतनाली चौक, राव तुलाराम चौक पर सर्कल नहीं होने के कारण कभी बड़ा हादसा हो सकता हैं। इसके अलावा एचआरआईआईडीसी की ओर से शहर के अंदर स्टेट हाईवे पर कम कट दिए गए हैं। जिस कारण भविष्य में लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ेगी। स्टेट हाईवे पर काफी संख्या में लोग व्यापार करते हैं। वहीं दिनभर लोगों का स्टेट हाईवे पर आवागमन बना रहता हैं। कट की संख्या कम होने के कारण लोगों का लंबी दूरी तय करनी पड़ रहीं हैं। बलवान फौजी ने कहा कि शहर के कैंची मोड से रिवासा फ्लाईओवर तक दो कट की आवश्यकता हैं। इस मार्ग पर दो राजकीय महाविद्यालय, लघु सचिवालय, तहसील कार्यालय तथा कोर्ट परिसर और बहुत बड़े बैंक मॉल एस मार्केटिंग प्लेस और बड़े-बड़े हॉस्पिटल हैं। जिस कारण प्रतिदिन हजारों लोग यहां से आवागमन करते हैं। कट की संख्या बढ़ाने के बाद लोगों को काफी फायदा मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. धर्मबीर पायगा, वारंट ऑफिसर राम भगत यादव, हवलदार सतबीर, बाबूलाल, हवासिंह यादव प्रधान, हनुमान ठेकेदार, वीरसिंह यादव, विजय प्रधान, प्रवीण कुमार, विक्रम, विपिन, आनंद, शक्ति, राहुल, योगेश, बबलू, हीरालाल, राजेश, सुक्रपाल, प्रदीप, रितिक, छोटेलाल, बाबूलाल चेयरमैन, राजेंद्र सिंह, मास्टर धर्मपाल, छोटू मिस्त्री, राकेश, परमजीत, धोलिया, रींकू, रामचंद्र, लालाराम, रमाकांत, गजेंद्र, सुखराम, अश्वनी, अमित, संजय, प्रदीप, सतबीर, जयप्रकाश, तेजपाल व धोलिया आदि रहे।

शिक्षकों ने किया दाखिले के लिए प्रेरित

- स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकारी स्कूल के शिक्षक फील्ड में उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। विद्यार्थियों के दाखिले बढ़ाने के लिए फील्ड में उतरा सरकारी स्कूल स्टॉफ। फोटो : हरिभूमि

सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को विद्यार्थियों का दाखिला करवाने के लिए पसीना बहाना पड़ रहा है। सरकार की ओर से प्रदेश के सैकड़ों विद्यालयों को विद्यार्थियों की कम संख्या के चलते बीते समय मर्ज किया जा चुका है। अब विद्यालयों में पोस्ट बचाने के लिए शिक्षकों की ओर से दाखिला बढ़ाने के लिए घर-घर दस्तक दी जा रही है। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना मंडी के शिक्षक अवकाश के दिन निजी विद्यालय के स्टॉफ की भांति गली-मोहल्ले में विद्यार्थियों को तलाश कर उन्हें सरकारी विद्यालय में दाखिले के लिए प्रेरित कर रहे हैं। निजी स्कूलों के लगातार बढ़ते साम्राज्य के चलते सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का सिंहासन हिला हुआ प्रतीत होने लगा है। जिसे भांपकर फील्ड में निकलकर सरकारी स्कूल के शिक्षक अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों की खुबियां बता रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विशेष नामांकन अभियान के तहत शिक्षक स्टॉफ फील्ड में उतरा है। इस मौके पर प्रवीण कुमार, पवन कुमार, लीलूराम, दिनेश कुमार, सुमनलता, स्नेहला, रेखा यादव, सतीश कुमार, ओमप्रकाश मौजूद थे।

बिहाली स्कूल के अध्यापकों ने छुट्टी के दिन डोर टू डोर किया अभिभावकों से संपर्क

- अध्यापकों ने अभिभावकों से अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला बिहाली और राजकीय प्राथमिक पाठशाला बिहाली के स्टाफ सदस्यों द्वारा नामांकन हेतु डोर टू डोर अभियान को सफल बनाने के लिए रविवार को छुट्टी के दिन विशेष नामांकन अभियान चलाया। इसके तहत अध्यापकों ने अभिभावकों से अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला बिहाली के दीपक कुमार व रविकांत, राजकीय प्राथमिक पाठशाला बिहाली के लोकेश कुमार व कुलदीप ने बताया कि सरकारी स्कूलों में दक्ष व निपुण अध्यापक होने के साथ पाठय सामग्री व मिड-डे-मील भी मिलती है। राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को विषय के हर पहलु के बारे में शिक्षित करने के साथ उसका सर्वांगीण विकास भी किया जाता है।

ट्रांसफार्मर की चिंगारी से गेहूं की फसल जलकर राख

बावल। खेत में लगा बिजली ट्रांसफार्मर व गेहूं में लगी आग। फोटो :हरिभूमि

बावल। खिजूरी में बिजली ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से एक किसान के गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। सूचना मिलने के बाद भी फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक किसान का काफी नुकसान हो चुका था। किसान शमशेर के खेत में बिजली ट्रांसफार्मर लगा हुआ। ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट के कारण कुछ दूरी पर एकत्रित गेहूं की फसल और फसल अवशेषों ने आग पकड़ ली। आग लगते ही आसपास के किसान मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। इसके बाद किसानों आगजनी वाले स्थान के चारों ओर ट्रैक्टर से हल चलाना शुरू कर दिया, ताकि आग दूसरे किसानों की फसल तक नहीं पहुंच पाए। किसानों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। शमशेर ने बताया कि फायद ब्रिगेड को सूचना दी गई थी, लेकिन समय पर गाड़ी नहीं पहुंची। इससे उसका हजारों रुपये का नुकसान हो गया।

गुरु रविदास धर्मशाला में स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांचा स्वास्थ्य

- शिविर में पहुंचे 156 मरीज को जांच के बाद दवाइयां भी मिली नि:शुल्क दीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अतिथियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहर के मौहल्ला महायचान स्थिति संत गुरु रविदास धर्मशाला में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति की ओर से विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्यातिथि समिति की अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव एवं बिमला देवी ने किया जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु रविदास सेवा समिति के अध्यक्ष महाबीर सिंह ने की। शिविर के दौरान उपस्थित डॉक्टरों ने 156 महिला-पुरुषों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया तथा सभी मरीजों को दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई। शिविर में पहुंचे लोगों को समिति की ओर से फल भी बांटे गए। समिति की अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक व सामाजिक दृष्टि से भी स्वस्थ्य रहने को लेकर जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस बार वर्ल्ड हेल्थ डे-2024 की थीम है मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार। दुनियाभर की स्वास्थ्य समस्याओं और उससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए इस साल की थीम बनाई गई है। इस थीम को बनाने का उद्देश्य है हर किसी को हर जगृह जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षाएं और उससे जुड़ी जानकारियां मिलनी चाहिए। साफ पीने का पानी, साफ हवा, जरूरी पोषण, रहने के लिए बेहतरीन घर, काम करने के लिए बेहतरीन वातावरण और परिस्थितियां ये हर आदमी का अधिकार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गुरु रविदास सेवा समिति के अध्यक्ष महाबीर सिंह ने हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति की आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने कैंव के माध्यम से समाज के लोगों को जो स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई है यह सराहनीय कार्य है। इसके साथ ही समिति द्वारा समाज के बच्चों को निःशुल्क पढ़ाकर उन्हें शिक्षित करने की जो पहल की है वह वास्तव में एक अच्छी पहल है जिसके लिए उनकी पूरी समिति उनका आभार व्यक्त करती है। शिविर के दौरान ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. विक्रांत सिंह, आथोपैडिक सर्जन डॉ. विकास ढिंगरा, जनरल फिजिशियन डॉ. नितिन यादव तथा गायनीक विशेषज्ञा डॉ. पूनम, डॉ. रेखा तथा डॉ. मोनिका, डॉ. चेतना सैनी ने शिविर में पहुंचे 156 महिला-पुरुषों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए उन्हें उचित परामर्श दिया तथा सभी मरीजों को दवाइयां भी हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति की ओर से निःशुल्क वितरित की गई। डॉ. सुरेश शर्मा ने सभी मरीजों को दवाइयों का वितरण करते हुए उन्हें दवाइयां लेने के बारे में समझाया। इस मौके पर हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति के पदाधिकारी, सदस्यों के साथ-साथ गुरु रविदास सेवा समिति से सचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष मास्टर दिलबाग सिंह, सदस्य हरीश, संदीप, पूर्व पार्षद विजय महायच, सामाजिक कार्यकर्ता भोमराज, राजेश कुमार, नवीन कुमार, वरिष्ठ नागरिक मोहनलाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

शनिवार व रविवार को खुला रहेगा पंजाबी भवन का बुक बैंक

- अभी तक बुक बैंक से 600 से अधिक छात्रों ने किताबें ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जनता की मांग और नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत को ध्यान में रखते हुए पंजाबी भवन बुक बैंक प्रबंधन ने अप्रैल माह के लिए शनिवार और रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक बुक बैंक खोलने का निर्णय लिया है।

आगामी माह के लिए समिति की ओर से निर्णय लिया जाएगा। पंजाबी समाज के अध्यक्ष एडवोकेट सचिन मलिक ने कहा कि बुक बैंक समाज के सभी वर्गों में लोकप्रियता हासिल कर रहा है और छात्रों को वास्तव में लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले सत्र में बुक बैंक के लिए जगह बढ़ाएंगे। इस सत्र के लिए अभी तक बुक बैंक से 600 से अधिक छात्रों ने किताबें ली हैं। सचिन मलिक ने बताया कि पंजाबी भवन परिसर में वैवाहिक सेवा सफलतापूर्वक चल रही है और लोगों को इस सुविधा का लाभ मिल रहा है। हर सप्ताह 30 से अधिक माता-पिता वैवाहिक सेवा के लिए भवन का दौरा कर रहे हैं और 1000 से अधिक लोगों ने यह सुविधा ली है।

खेत में लगा इंजन क्षतिग्रस्त व सामान चोरी, केस दर्ज

कोसली। बास गांव की एक महिला ने अपने खेत में लगे इंजन को क्षतिग्रस्त करने व अन्य सामान चोरी होने पर कोसली थाने में केस दर्ज कराया है। महिला विनोद बाला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके देवर ने सूचना दी कि उनके खेत में लगे इंजन को किसी ने क्षतिग्रस्त कर रखा है, वह मजदूर को लेकर खेत में गई तो देखा कि किसी ने इंजन को उल्टा करके कच्चे कुएं में लटका रखा था। उन्होंने मामले की सूचना कोसली पुलिस को दी तथा कुएं की खुदाई कराई तो पानी खींचने वाला पंप, पट्टा व डिलीवरी पाइप गायब मिले।

एटीएम कार्ड बदलकर लगाया हजारों का चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

एटीएम बूथ पर पैसे निकलने के लिए गए एक कंपनी श्रमिक का कार्ड बदलकर शातिर ठगों ने हजारों रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। राजस्थान के महतावास निवासी मोनू एक कंपनी में श्रमिक है। वह हिटाची कंपनी के एटीएम पर पैसे निकालने के लिए गया था। एटीएम बूथ पर जब वह पैसे निकालने लगा तो वहां दो युवक भी आ गए। दोनों ने उसे घेरकर बातों में उलझा लिया। इसी दौरान उन्होंने एटीएम कार्ड बदल दिया। कई बार प्रयास करने के बाद भी पैसे नहीं निकले तो वह एटीएम बूथ से बाहर आ गया। इसके बाद वह एक दुकान पर चला गया। वहां जाने के बाद उसके मोबाइल फोन पर एटीएम से एक बार 2 हजार और दूसरी बार 10 हजार रुपये निकलने के मैसेज आए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

माता रमाबाई संस्था में ई-लाइब्रेरी शुरू

- रविवार को 10 कम्प्यूटर लगाकर ई-लाईब्रेरी का संचालन शुरू किया गया
- ई-लाईब्रेरी में इंजीनियर अनिल कुमार डहीनवाल ने 10 कम्प्यूटर डोनेट किए है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। डोनर अनिल कुमार का सम्मान करते संस्था पदाधिकारी।

माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था आजाद नगर के प्रशासनिक भवन की ई-लाईब्रेरी में रविवार को 10 कम्प्यूटर लगाकर ई-लाईब्रेरी का संचालन शुरू किया गया। है। प्रेस सचिव बहादुर सिंह ने बताया कि ई-लाईब्रेरी में इंजीनियर अनिल कुमार डहीनवाल ने 10 कम्प्यूटर डोनेट किए है। इस अवसर पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उप प्रधान डा. अतर सिंह दहिया ने की। संस्था की ओर से डोनर अनिल कुमार का पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। नारायण सिंह तंवर कोषाध्यक्ष ने संस्था की वित्तीय स्थिति से अवगत कराया। डॉ अशोक कुमार, जगदीश डहीनवाल, आरएस सांभरिया व अभय सिंह डहीनवाल ने भौतिक लाईब्रेरी व ई-लाईब्रेरी के महत्व पर अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर आरपी मेहरा,सतबीर सिंह चौहान, रोहताश सिंह सिंधल, पृथ्वी सिंह पूनिया, अशोक चौधरी, प्रताप सिंह, मदन लाल, लाल सिंह आदि मौजूद रहे।

29 रोगियों को ऑपरेशन के लिए किया चयनित

नेत्र जांच शिविर में 134 रोगियों की आंखों का किया चैकअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नेत्र रोगियों की जांच करते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वाधान में यादव धर्मशाला में 164वें नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया की निःशुल्क नेत्र जांच शिविर राहत ग्रुप प्रधान एवं वेद प्रचार मंडल प्रधान डॉ. प्रेम राज आर्य की अध्यक्षता में लगाया गया। हमेशा की तरह नेत्र जांच शिविर से पहले हवन किया गया। यज्ञ पुरोहित यादव सभा उपप्रधान एवं आर्य समाज प्रधान भूपेंद्र आर्य ने हवन संपन्न कराया। शिविर में खायरा के पूर्व सरपंच धर्मपाल एवं बीएनडी ग्रुप के चेयरमैन विजयपाल सिंह ने पुस्तकालय भवन निर्माण में एक लाख 11 हजार रुपये का योगदान दिया। साथ ही गोशाला रोड निवासी डॉ. भूप सिंह ने 51 हजार रुपये का योगदान दिया। सभा की कार्यकारिणी ने फूल मालाओं स्मृति चिन्ह, लोई, एवं पगड़ी पहनाकर दानवीरों का स्वागत किया।

प्रधान एडवोकेट अभय राम यादव ने दानवीरों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद डॉ. जितेंद्र यादव व उनकी टीम के डॉ. आरपी गिरि एवं डॉ. रामपाल यादव ने रोगियों की नेत्र जांच की तथा डॉ. प्रकाश वीर आर्य एवं डॉ. आनंद प्रकाश ने बीपी और शुगर चेक किया। शिविर में 134 रोगियों के नेत्र जांच की और 29 रोगियों को ऑपरेशन के लिए सुमेर सिंह मेघनवास की देखरेख में राजकीय जालान नेत्र चिकित्सालय भिवानी भेजा गया। इस मौके पर प्रधान एडवोकेट अभयराम यादव, प्रो. बस्तीराम खैरवाल, राहत ग्रुप के उपाध्यक्ष प्रवक्ता श्रीचंद, सचिव कप्तान लालचंद, सूबेदार जगमाल सिंह, धर्मवीर सिंह, संजय बवानियां, भगवान सिंह, सभा उपाध्यक्ष संजय राव, सचिव रोहताश सिंह, सह सचिव रोहताश सिंह, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद, सुबेदार रामकुमार, रामस्वरूप बोहरा, सुबेसिंह, बलवंत बोहरा, थानेदार बहादुर सिंह, मलखान सिंह व मास्टर लक्ष्मी नारायण बालरोडिया उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

राधाकृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 64वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला खड़खड़ी से से किया गया। प्रभात फेरी के यजमान प्रभुदयाल ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर सभी को चंदन तिलक लगाया। प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों पर नाचते-गाते राधे नाम का जाप किया।

नलापुर में श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को नरेश कुमार के निवास स्थान मोहल्ला नलापुर में श्रीश्याम बाबा का साप्ताहिक जागरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग-बिरंगी लाइट व फूलों से सजाया। आचार्य योगेश शर्मा ने मुख्य अजमान नरेश कुमार से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योत प्रज्ज्वलित करवाई। विकास जांगिड़ ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

14 अप्रैल को सैनी स्कूल में लगेगा फ्री जांच शिविर

नारनौल। धन्वंतरि हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर जयपुर की ओर से आगामी 14 अप्रैल को नारनौल शहर में एक मुफ्त विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर रेवाडी रोड स्थित सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। ज्ञानाराम झम्मन लाल सैनी मानव सेवा समिति के निदेशक डा. राजेंद्र प्रसाद सैनी ने बताया कि संस्था मानव सेवा के परोपकार को महत्व मानती हुई हर माह के रविवार को निःशुल्क शिविर का आयोजन करती आ रही है।

चैत्र मास आरंभ पर पार्क में किया हवन

नारनौल। चैत्र मास से प्रारंभ होने वाले पर नव संवतसर की पूर्व संध्या पर हुडा सेक्टर पार्क में 51 कुण्डीये यज किया गया। यज के ब्रह्मा प्राचार्य मदन गोपाल ने हवन संपन्न करवाया। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में स्वामी समर्पणानंद नन्द दड़ोली आश्रम ने संबोधन किया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान वासु देव यादव, डा. कृष्णा आर्या, एडवोकेट केसर सिंह, चंद्रप्रकाश संघी परिवार थे। कार्यक्रम संयोजक बीरेंद्र शास्त्री, नीलेश व समस्त पतंजलि परिवार रहा।

सूबेदार ईश्वर बने गोशाला के प्रधान, रामंकवार कुमार गोयल बने सहसचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

स्थानीय श्री गोशाला की कार्यकारिणी कार्यकारिणी समिति के चुनाव रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुए। प्रधान पद के उम्मीदवार ईश्वर सिंह अपने प्रतिद्वंद्वी पर एकतरफा जीत हासिल की। वहीं रामकंवार गोयल 11 वोट से जीतकर सहसचिव बने। उपप्रधान, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए एक नामांकन होने के कारण पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए थे। चुनाव अधिकारी प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि 18 से 20 मार्च तक नांमाकन प्रक्रिया चली। 21 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की गई। 22 मार्च को एक बजे उम्मीदवारों को वैध सूची को प्रदर्शित की गई थी। 23 मार्च को नांमाकन पत्र वापिस का समय तय किया गया था। 26 मार्च को चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का फाइनल सूची प्रकाशित की गई थी। 27 मार्च को उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किए गए। इस दौरान प्रधान पद के लिए गांव झूक निवासी सूबेदार ईश्वर सिंह, मालड़ा बास निवासी ओमप्रकाश, गांव झूक निवासी अभय सिंह, उपप्रधान के लिए शहर निवासी रामनिवास बंसल, महासचिव के लिए रेलवे रोड निवासी डॉ. तरूण यादव, परमानंद गर्ग, रामकुमार सेठ, जोगेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष सत्यपाल मलिक, कार्यकारिणी सदस्य के लिए गांव पायगा निवासी राव बंशी सिंह, गांव रिवासी निवासी सत्यनारायण, लावन निवासी महाबीर सिंह, झूक निवासी संजय कुमार, नरेंद्र सिंह, सिसोठ निवासी विजय सिंह, शहर निवासी कृष्ण कुमार, गांव खायरा निवासी राहुल व शहर निवासी सीताराम ने नामांकन किया था। उपप्रधान पद के लिए रामनिवास बंसल उपप्रधान व कोषाध्यक्ष पद के लिए सत्यपाल मलिक को नामांकन होने के कारण निर्विरोध चुन लिया गया था।

रामनिवास उपप्रधान, तरूण सचिव व सत्यपाल कोषाध्यक्ष चुने जा चुके निर्विरोध

वर्ष 2021 के बाद हुए कार्यकारिणी के चुनाव

अगस्त 2021 में श्रीगोपाल गौशाला की कार्यकारिणी के चुनाव हुए थे। इसके बाद सर्वसम्मति के कार्यकारिणी का चुनाव किया गया था। जिसमें कैप्टन सुरेंद्र सिंह को प्रधान नियुक्ति किया गया था। लेकिन निर्विरोध चुनी गई कार्यकारिणी पर किसी व्यक्ति द्वारा आपत्ति दर्ज करा दी गई थी। इसके बाद कार्यकारिणी की ओर से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया था। वहीं 22 मार्च 2022 को कार्यकारिणी को भंग करके 6 माह के लिए एडहॉक कमेटी नियुक्ति की गई थी। जिसमें नगर पालिका के पूर्व प्रधान बिजेंद्र यादव को संयोजक बनाया गया था। इसके बाद अगस्त 2022 में एक बार फिर से चुनावी शेड्यूल जारी किया गया था। लेकिन किसी व्यक्ति की शिकायत के बाद चुनावों पर फिर से स्टे आ गई थी। इसके बाद तीन माह के लिए एडहॉक कमेटी का गठन किया गया था। जिसमें ईश्वर मित्तल को संयोजक नियुक्ति किया गया था। लेकिन नवंबर में ईश्वर मित्तल की ओर से इस्तीफा दे दिया गया था तथा इसके बाद नंदकिशोर को संयोजक नियुक्त किया गया।

महेंद्रगढ़। गोशाला में चुनावी प्रक्रिया संपन्न करवाते चुनाव अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

इसके बाद फरवरी 2023 सीताराम को छह माह के लिए संयोजक नियुक्त किया गया। जुलाई 2023 को संयोजक की जगह सतीश जोशी को प्रशायक नियुक्त किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2023 में फिर से चुनाव शेड्यूल जारी किया गया, लेकिन एकबार फिर से किसी कारणवश चुनाव स्थागित करने पड़े थे। मगर अब चुनाव संपन्न हो गया है तथा पदाधिकारी चुनाव जीतकर आ गए हैं।

यह चुने गए कार्यकारिणी सदस्य:

सूबेदार ईश्वर ने चुनावों में एकतरफा जीत हासिल कर प्रधान बनें। उनको 180 में से 154 वोट मिले। वहीं माल्ड़ा बास निवासी ओमप्रकाश को केवल 25 वोट मिले तथा एक वोट कैंसिल हुआ। रामकंवार गोयल अपने प्रतिद्वंद्वी हो 11 वोट से हराकर विजयी हुए। उनको 180 में से 95 वोट मिले। वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी जोगेंद्र सिंह को 84 वोट प्राप्त हुए। इसके अलावा गांव रिवासा निवासी सत्यनारायण, झूक निवासी संजय यादव, खायरा निवासी राहुल, शहर के ब्रह्मचारी रोड निवासी नरेंद्र व कृष्ण कुमार तथा शहर के कायमपुरा मोहल्ला निवासी सीताराम को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया।

ग्रामीणों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं हुआ काम

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहा है सांसद का गोद लिया गांव

पूरे गांव में लगा है समस्याओं को अंबार, ग्रामीणों में है सांसद के प्रति जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

लोकसभा चुनाव के लिए मैदान सज चुका है और राजनीतिक लड़ाई शुरू हो चुकी है। संसद पहुंचने की चाहत में सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी पूरी जोर आजमाईश कर रहे हैं। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र से लगातार दो बार चुनाव जीत चुके भाजपा सांसद तीसरी बार फिर से चुनावी मैदान में हैं। वर्ष 2019 के चुनावों के बाद सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने लोकसभा क्षेत्र के गांव बसई को गोद लिया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि सांसद की नजर हमारे गांव पर पड़ने के बाद यहां विकास की बयार बहेगी और उन्हें तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। विकास के नाम पर इन पांच सालों में करोड़ों की राशि खर्च होने के बाद यह गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहा है और इसकी तस्वीर पहले की तरह ही बदतर है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात के मौसम में गांव में सबसे अधिक विकट समस्या उत्पन्न हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार की तरफ ग्रामीणों को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से नंदी ग्राम योजना के तहत एक वाटर फिल्टर लगा हुआ है, जहां पर महीने के कुछ रुपये देकर रोजाना एक पानी का कैंपर ग्रामीणों को दिया जाता है, प्लांट के चारों तरफ पानी भरने व निकासी की उचित व्यवस्था न होने से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

महेंद्रगढ़। सड़क पर ओवरफ्लो होता जोहड़ का गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। गांव के उपस्वास्थ्य केंद्र की खस्ता हालत दिखाता ग्रामीण।

ग्रामीणों से समस्या को लेकर बातचीत

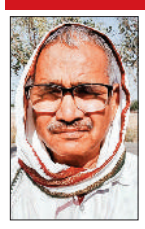

सरकारी बिल्डंग का है बुरा हाल

ग्रामीण रामबीर साहब का कहना है कि हमारे गांव में जितनी भी सरकारी बिल्डिंग या कर्मचारियों की बैठने की जगह का बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि सेहलंग रोड के पास से फिरनी में जाने का रास्ता भी नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार वहां पर एक पंचायत भवन बना हुआ है, जिसकी हालत इतनी खस्ता है। जिसका उपयोग लोग उपले थापने के लिए कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र की हुई खस्ता हालातः

ग्रामीण सोनू तंवर ने बताया कि महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार के द्वारा गांव में एक महिला सदन बनाया गया था, जिसके चारों तरफ पानी भरने की वजह से उक्त भवन जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। महिला सदन के बिल्कुल साथ में एक आंगनबाड़ी केंद्र बना हुआ है, जो काफी खस्ता हालात में है।

जर्जर भवन में सेवाएं देने को मजबूर कर्मचारी

ग्रामीण ओमप्रकाश उर्फ पप्पू ने बताया कि गांव का आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी का भवन के हालात इस कदर बद से बदतर हो चुके हैं कि उनमें कभी भी कोई हादसा हो सकता है। यहां तक कि उसका मुख्य गेट भी गिरा हुआ है। ऐसे में कर्मचारी भय के साए में अपनी सेवाएं देने को मजबूर हैं।

खेल मैदान में भी भरा रहता पानी

ग्रामीण सोनू कुमार ने बताया कि गांव में बच्चों के खेलने के लिए एक ही मैदान है। जहां सरकार खेलों को लेकर लगातार बढ़ावा दे रही है व युवाओं को अच्छा खेलने के लिए प्रेरित कर रही है। खेल मैदान में अकसर गंदा पानी भरा रहता है। युवाओं ने अधिकारियों से मांग कर गंदे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

कनीना: नेशनल हाईवे पर कट की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी

कनीना। राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर सेहलंग-बागोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना रविवार 392वें दिन भी जारी रहा। जिसकी अध्यक्षता कृष्ण कुमार सेहलंग ने की। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान जनहित के मुद्दे को सुलझाने की बजाय चुनाव पर केंद्रित है। सरकार अपनी घोषणा के अनुरूप जनहित के कार्य करने में पीछे है। जिससे ग्रामीणों में रोष है। धरना संघर्ष समिति के अयक्ष विजय सिंह ने कहा कि फसल कटाई कार्य के बीच ग्रामीण धरना देने पर मजबूर हैं। इस मौके पर शेरसिंह, नरेंद्र शास्त्री छितरोली, हरिओम पोता, बेड़ासिंह, धर्मपाल सिंह, विजयपाल, मुंशीराम, सूबेदार सुखबीर सिंह, प्यारेलाल, वेदप्रकाश, लक्ष्मण सिंह, सीताराम आदि मौजूद थे।

चिाई, अर्धसैनिक कल्याण मंत्री डा. अभय सिंह का गांव कारिया में हुआ भव्य स्वागत

मंडी अटेली। सिंचाई, अर्धसैनिक कल्याण मंत्री डा. अभयसिंह यादव का गांव कारिया में फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। पंचायत समिति चेयरमैन राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में गांव कारिया में अभिनंदन किया गया। इस मौके पर उनके साथ मुकेश शर्मा, बिशंभर, सुंदर, बलराम, शेरसिंह, हनुमान व राहुल आदि लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि जो उसका सम्मान किया है, वह उनको याद रहेगा। वे किसी समय कोई काम लेकर आ सकते हैं तो उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। उन्होंने कहा कि वे नांगल चौधरी विधानसभा से संबंध रखते हैं, लेकिन अटेली के लोगों से भी उनका लगाव कम नहीं है। अटेली के लोग भी उनको तहेदिल से चाहते हैं। जब भी जरूरत होती है, वे हर समय खड़े मिलते हैं।

हैफेड प्रशासक ने अनाज मंडी का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

हैफेड प्रशासक छोटेलाल ने अटेली अनाज मंडी में सरकारी बोली पर खरीदी जा रही सरसों का जायजा लिया और किसानों की समस्याएं सुनी। उनके साथ नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, पार्षद पवन गोयल के अलावा हैफेड प्रबंधक सतेन्द्र यादव सहित मार्केट कमेटी के कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासक ने मंडी में सरसों बेचने आए किसानों से बात कर समस्या जानी। वहीं सरसों उठान के बारे में खरीद अधिकारियों से जानकारी ली। हैफेड प्रबंधक सतेन्द्र यादव ने प्रशासक छोटेलाल को बताया कि मंडी में अब तक 84 हजार सरसों के बैग की खरीद की जा चुकी है। इसमें 43 हजार बैग का उठान हो चुका है। उठान लगातार जारी है। मंडी में आने वाले अधिकतर किसानों की सरसों की खरीद की जा चुकी है। उन किसानों को सरसों सुखाने के लिए छोड़ दिया, जिसकी सरसों में नमी जरूरत से ज्यादा थी। नमी की मात्रा सही होते ही उनकी सरसों भी खरीद ली जाएगी। प्रशासन छोटे लाल ने कहा कि मंडी में आने वाले किसान परेशान नहीं होने चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

मिड-डे मील कार्यकर्ताओं में रोष

- हुड्डा पार्क में जिला प्रधान सुनीता देवी की अध्यक्षता में मीटिंग हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन संबंधित एआईयूटीयूसी के बैनर तले रविवार को शहर के चौधरी रणबहर सिंह हुड्डा पार्क में जिला प्रधान सुनीता देवी की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। मीटिंग का संचालन एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह ने किया।

मीटिंग में जिला प्रधान ने कहा कि मिड-डे मील कुक कम हेल्पर स्कूलों में बेहद मामूली मानदेय पर स्कूलों में खाना बनाने का काम करती है, जो केंद्र व राज्य सरकार की पौषाहार नीति को लागू कर नौनिहालों को कुपोषण से बचाने का काम करती है। लेकिन सरकार मिड-डे मिल कर्मियों सहित स्कीम वर्कर्स को अपने सरकारी कर्मचारी नहीं मानती। स्कूलों में 15 बच्चों पर एक मिड-डे-मील कुक कम हेल्पर को लगाया जाए। इसके अलावा स्कूल बंद होने की स्थिति में मिड-डे-मील कर्मियों को भी निकटवर्ती स्कूल में समायोजित किया जाए। मीटिंग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन के जिला उपप्रधान मुकेश कुमार, महेंद्र सिंह, राजबाला, दया ने भी अपने विचार रखे।

यह रहे मौजूदः इस मौके पर सुनीता, कविता, कमलेश, रामप्यारी, कृष्णा, सरियां, राजबाला, मधुबाला, साधना, माया, बिमला, सुमन, मंजू, सरला, मूर्ति, कौशल्या सहित अनेक मिड-डे मील कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। सरकार के प्रति नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

छह महीने से नहीं बन रही दिव्यांग पेंशन

नारनौल। जिले में पिछले छह महीने से एक भी दिव्यांग की पेंशन नहीं बनी है। जिसके कारण दिव्यांग कार्यालय के चक्कर काटकर परेशान हो रहे है। इस बारे में हरियाणा विकलांग उत्थान समिति के प्रधान मनमोहन सिंह ने बताया कि गत छह महीने से कोई नई दिव्यांग पेंशन नहीं बनाई गई है। जिससे दिव्यांग परेशान है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग समाज कल्याण विभाग के कार्यालय के चक्कर काटकर परेशान हो रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कहने को तो सभी वर्गों का ध्यान रख रही है, लेकिन पेंशन न बनाकर दिव्यांगों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग भी समाज का हिस्सा है, सरकार को उनकी ओर भी ध्यान देना चाहिए।

आर्य समाज वार्षिकोत्सव बीगोपुर में 14-15 को

- 32वां वार्षिकोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आर्य समाज बीगोपुर की ओर से 14-15 अप्रैल को 32वां वार्षिकोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रधान महाशय सूरजभान आर्य ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को प्रातः सात बजे एक घंटे के लिए हवन आयोजित किया जाएगा। तत्पश्चात नौ बजे से 12 बजे तक प्रवचन एवं भजनोपदेश चलेंगे। दोपहर 12 बजे विश्राम होगा और फिर दोपहर बाद साढ़े तीन बजे से सायं साढ़े छह बजे तक प्रवचन एवं भजनोपदेश होंगे। फिर 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक पुनः प्रवचन एवं भजनोपदेश होंगे। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल के कार्यक्रमों का भी यही शेड्यूल निर्धारित रहेगा। प्रवचन एवं भजनोपदेश कार्यक्रमों के लिए आचार्य हरिशंकर अग्निहोत्री आगरा, प्रसिद्ध भजनोपदेशक रामनिवास आर्य पानीपत, वैद्य नंदराम आर्य बलाहा कलां, प्रसिद्ध भजनोपेदशिका कल्याणी आर्या हिसार, मास्टर हरिसिंह गादोज, महाशय बेगराज आर्य दताल तथा क्षेत्रिय भजनोपदेश भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान राव हरिशचंद्र आर्य धर्मार्थ न्यास द्वारा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

भोजावास में 14 को मनाई जाएगी आंबेडकर जयंती

कनीना। अंबेडकर भवन भोजावास में रविवार को डा. भीमराव अंबेडकर समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रवीन कुमार ने की। बैठक में आगामी 14 अप्रैल को डा. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती भोजावास के अंबेडकर भवन में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। इस खंड स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि हलका विधायक सीताराम यादव होंगे। अति विशिष्ट अतिथि सीबीआई डीएसपी मनोज कुमार, विशिष्ट अतिथि सतवीर अंबेडकर होंगे। इनके अलावा डा. मधुसुदन, जिला पार्षद मुनीपाल, पंस कनीना की पूर्व प्रधान सरला निबंल, डा. जितेंद्र मोरवाल, लतिका आदि मौजूद रहेंगे।

व्यापारियों ने जताया राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव का आभार

पुरानी अनाज मंडी में परचेज सेंटर फिर से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को विधायक व पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव के कैंप कार्यालय में उसने मुलाकात कर पुरानी अनाज मंडी में परचेज सेंटर दोबारा से चालू करवाने के लिए गुलदस्ता भेंट कर व मिठाई खिलाकर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि बेशक वे मंत्री नहीं है, लेकिन वह नारनौल विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के हित उनके लिए सवारेपरि है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा कार्य करते रहेंगे। यादव ने कहा कि सरकार ने पुरानी मंडी में अनाज खरीद का केंद्र बंद कर दिया था। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बात कर दोबारा से 31 मार्च 2025 तक पुरानी अनाज मंडी में खरीद केंद्र को चालू करवा दिया है। किसानों को पुरानी मंडी में अपनी फसल बेचने के लिए किसी तरह की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन रामजीलाल मित्तल के नेतृत्व में व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके प्रयास से दोबारा से चालू हुए केंद्र पर सरसों, गेहूं चना व अन्य फसलों की खरीद की जाएगी। जिसकी चलते हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा व व्यापारियों को भी उनके व्यापारिक दृष्टि से लाभ होगा। जिसके लिए व्यापार मंडल पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव का सदा आभारी रहेगा। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने अपने कैंप कार्यालय में लोगों की बिजली-पानी व अन्य मूलभूत समस्याओं से संबंधित शिकायतें सुनी व संबंधित अधिकारियों से बात कर उनकी शिकायतों का निदान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर राजेंद्र सिंह, अशोक यादव, राजीव मित्तल, अनिल चौधरी, बद्रीप्रसाद गर्ग, दिनेश सिंघल, बृजमोहन गर्ग सहित अनेक व्यापारी मौजूद थे।

नारनौल। पूर्व राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव का आभार प्रकट करते व्यापारी।